तर्ज-आजा तुझको पुकारे ...

अंगना तेरी है बेकरार,
प्रीतम तड़प रही है तेरी चाह में

1-मांग लिया जो इश्क रब्द में ये थी भूल हमारी
खुद उपजाया आपने प्रीतम कैसी लीला तुम्हारी
माया में दुख हैं बेशुमार...

2-पर्दा हटा दो जलवा दिखा दो यह है चाह हमारी
साथ चले सब छोड़ जहां को यह है आस हमारी
आस बुझा दो एक बार...

3-धनी के चरण में सुरता लगाकर अपने धाम को जायें
खेलें वनों में घाटों में घूमें अपने पिया को रिझायें
साथ की यहीं है पुकार...

Nijanand App